राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी इंदौर का 38वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया

राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी (आरआरकेट), इंदौर का 38वां स्थापना दिवस समारोह केंद्र में विकसितई-मीटिंग प्लेटफ़ॉर्म पर ऑनलाइन मोड में दिनांक 19 फरवरी,2021 को आयोजित किया गया. भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफ़ेसर के. विजयराघवन समारोह के मुख्य अतिथि थे. आपने वीडियो वार्तालाप के माध्यम से समारोह की शोभा बढ़ाई.

अपने स्थापना दिवस संबोधन में प्रोफ़ेसर विजयराघवन ने 2020 के पूर्व के विश्व में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास के विभिन्न पहलुओं/तथ्यों पर प्रकाश डाला. मानव जाति के विकास के एक संक्षिप्त इतिहास के साथ शुरू कर उपकरण के आविष्कार से होते हुए विभिन्न प्रौद्योगिकियों के विकास और औद्योगिक क्रांति तक परिभाषित कर, उन्होंने बताया कि कैसे मनुष्य जो कभी जीवित रहने के लिए संघर्ष करते थे आज ग्रह के प्रबंधक हैं. उन्होंने आने वाले समय में पूरे देश में वितरित छोटे विनिर्माण केन्द्रों और उच्च तकनीक उद्योग पर प्रकाश डाला.उन्होंने ऊर्जा उत्पादन की दिशा में परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की और उल्लेख किया कि परमाणु और स्वच्छ तथा नवीकरणीय ऊर्जा के साथ मिलकर आगे बढ़ना होगा.

आरआरकेट के निदेशक श्री देवाशीष दास ने समारोह की अध्यक्षता की. आपने पिछले एक वर्ष के दौरान केंद्र में हुई गतिविधियों एवं बड़ी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला. श्री दास ने अपनी वार्ता में इस बात का उल्लेख किया कि राउंड-द-क्लॉक मोड में काम कर रहे इंडस त्वरक के लॉक-डाउन के पश्चात् के प्रदर्शन को लॉक-डाउन के पहले के अपने स्तर पर वापस लाया गया है. पूरे देश के शोधकर्ताओं के अलावा दवा उद्योगों की अनुसंधान एवं विकास इकाईयां भी दवा के लक्षण वर्णन के लिए सुविधा का उपयोग कर रही हैं।श्री दास ने कृषि विकिरण प्रसंस्करण सुविधा में हुई प्रगति और प्रोटॉन लाइनक, पदार्थ विज्ञान, विभिन्न लेज़रों और उनके सामाजिक और साथ ही वैज्ञानिक अनुप्रयोगों के विकास के बारे में भी बताया. उन्होंने बताया कि इन प्रौद्योगिकियों को प्रयोगशाला से भूमि पर ले जाने के लिए एक ऊष्मायन केंद्र ने आरआरकेट में काम करना शुरू कर दिया है.

कई प्रतिष्ठित व्यक्ति, पूर्व निदेशक, पूर्व वरिष्ठ सहयोगी और आरआरकेटकर्मचारी ऑनलाइन मोड में और आरआरकेटमें विभिन्न स्थानों पर लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से समारोह में शामिल हुए.प्रोफ़ेसर विजयराघवन ने गणमान्य व्यक्तियों और दर्शकों के साथ ऑनलाइन बातचीत की.समारोह में केंद्र की ताकत को उजागर करने वाला एक छोटा वीडियो भी चलाया गया.

प्रौद्योगिकी विकास और सहायता समूह के निदेशक डॉ.अनिल रावत ने स्वागत भाषण दिया और मुख्य अतिथि को दर्शकों से परिचित कराया.लेजर ग्रुप एंड मैटेरियल्स साइंस ग्रुप के निदेशक श्री एस.वी. नाखे ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा. सामग्री विज्ञान समूह के सह-निदेशक श्री राकेश कौल ने इस समारोह के आयोजन में विभिन्न गतिविधियों का समन्वय किया। समारोह का आयोजन कोविड-19 संबंधित दिशानिर्देशों के पालन के साथ किया गया था.

स्थापना दिवस संबोधन देते हुए भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार एवं मुख्य अतिथि प्रोफ़ेसर के. विजयराघवन, श्री देवाशीष दास (बाएँ) ने समारोह की अध्यक्षता की, डॉ. अनिल रावत, निदेशक, टीडीएसजी (मध्य)ने मुख्य अतिथि को सभी से परिचित कराया, श्री एस.वी. नाखे, निदेशक, एल.जी.एवं एम.एस.जी. (दाहिने) ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा.